RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 21 FEBRUARY TO 27 FEBRUARY 2024 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 09 ■ अंक 22 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

समंदर में 160 किमी दूर है भारत का यह सबसे बड़ा तेल भंडार 50 साल से निकल रहा 'काला सोना'

Page 2

भारत बनेगा सेमीकंडक्टर हब, टाटा के साथ इजरायल का भी है अहम योगदान

Page 4

MSME के लिए आया नया पेमेंट नियम, डर गए हैं कारोबारी?

Page 5

editoria!

एमएसपी की जिद...

केंद्र सरकार की ओर से की गई तीन फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की पेशकश को किसानों द्वारा ठुकरा दिए जाने से समझौते का एक अच्छा मौका हाथ से निकलता दिख रहा है। इस मामले में किसान नेताओं का रुख जल्दबाजी से प्रेरित लग रहा है। उसमें सुधार की गुंजाइश ही नहीं, जरूरत भी है। इसकी कई ठोस वजहें गिनाई जा सकती हैं। पंजाब ही नहीं, कई अन्य राज्यों में भी खेती से जुड़ा एक बड़ा संकट यह बताया जाता है कि गिरते भू जलस्तर की वजह से सिंचाई करना मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में धान, गेहूं और गन्ना जैसी फसलें जिन्हें ज्यादा पानी की जरूरत होती है, समस्या को और गंभीर बनाती हैं। चूंकि न्यूनतम समर्थन मूल्य की नीति का फायदा असल में इन्हीं फसलों पर मिलता है, इसलिए किसानों के इन फसलों से हटने की स्थिति नहीं बन रही। केंद्र सरकार ने भले ही किसान आंदोलन के दबाव में यह पेशकश की हो, लेकिन दाल, मक्का और कपास पर न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का प्रस्ताव इस मायने में भी गौर करने लायक है कि इनकी खेती में कम पानी की जरूरत होती है। लिहाजा, यह नीति किसानों को फायदा पहुंचाने के साथ ही आने वाले समय में पर्यावरण और खेती के हालात सुधारने के लिहाज से भी उपयोगी हो सकती है। दिलचस्प है कि किसान नेताओं ने इस पेशकश को ठुकराने का जो आधार बताया है, वही इसे ज्यादा सार्थक बनाता है। सरकार का कहना है कि इस प्रस्ताव का फायदा उन किसानों को मिलेगा, जो फसलों का पैटर्न बदलते हैं। ध्यान रहे, आज की तारीख में किसानों के सामने मक्के, दाल और कपास जैसी फसलों को अपनाने की ठोस वजह नहीं है। ऐसे में यह नीति इस कमी को दूर सकती है। बजट से जुड़ी सीमाओं को फिलहाल छोड़ दें, तब भी सभी फसलों पर एएइ की गारंटी की मांग पूरी तरह अव्यावहारिक है। न्यूनतम समर्थन मूल्यों की गारंटी का तभी कोई अर्थ है जब सरकार खुद वे फसलें खरीदे वरना वह एक कागजी औपचारिकता बन कर रह जाएगी। धान और गेहूं की सरकारी खरीद को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खपाने की व्यवस्था है। अन्य फसलों के मामले में ऐसा नहीं है। किसानों ने अपना यह आंदोलन ऐसे समय शुरू किया है, जब आम चुनाव को बमुश्किल दो-तीन महीने रह गए हैं। जाहिर है, मौजूदा सरकार कोई आश्वासन दे भी देती है तो उस पर अमल चुनाव के बाद गठित नई सरकार ही करेगी। यानी सरकार बदलने की स्थिति में इन वादों के भविष्य को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं रहा जा सकता। बेहतर होगा किसान नेतृत्व अपने रुख पर दोबारा विचार की संभावनाओं को खुला रखे।

न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी बन सकती है गेमचेंजर... गेंहू, चावल के आगे सोचेगा किसान!

नई दिल्ली। एजेंसी

सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की गारंटी से कृषि आय को समर्थन मिलेगा। इससे खपत भी बढ़ेगी। किसान आंदोलन 2.0 के बीच क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स (CMIA) ने यह बात कही है। उसका अनुमान है कि सरकार के लिए इस तरह की गारंटी की वास्तविक लागत लगभग 21,000 करोड़ रुपये होगी। यह अनुमान एग्रीक्लचर मार्केटिंग ईयर 2023 के लिए जाहिर किया गया है। सीएमआईए स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान है। यह अर्थव्यवस्था, उद्योगों, पूंजी बाजारों और कंपनियों के बारे में राय और विश्लेषण देता है। CMIA ग्लोबल एनालिटिकल फर्म क्रिसिल का डिवीजन है। एमएसपी के आधार पर अभी सिर्फ कुछ राज्यों से खरीद की जाती है। इनमें उत्तर प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, हरियाणा और छत्तीसगढ़ शामिल हैं। इसे देखते हुए एएईं का सुझाव है कि एमएसपी गारंटी से देशभर के किसानों को लाभ होगा। क्रिसिल के रिसर्च डायरेक्टर पुशन शर्मा ने कहा कि एमएसपी वह न्यूनतम मूल्य है जिस पर सरकार किसानों से उनकी फसल खरीदने की गारंटी देती है। इसे 23 फसलों पर दिया जाता है। किसान चाहते हैं कि सरकार एमएसपी पर आधारित सभी फसलों की खरीद करे। 23 फसलों के पूरे उत्पादन की खरीद का मतलब है सरकारी खजाने से ज्यादा खर्च होगा। हालांकि, सरकार सिर्फ उन फसलों की खरीद करेगी जिनकी मंडी कीमतें एमएसपी से कम हैं।

क्या बताता है क्रिसिल का कैलकुलेशन?

पुशन शर्मा ने कहा कि उनके कैलकुलेशन से पता चलता है कि इसके चलते मार्केटिंग ईयर 2023 में करीब 6 लाख करोड़ रुपये की कार्यशील पूंजी की जरूरत होगी। हालांकि, सरकार की वास्तविक लागत एमएसपी और मंडी कीमतों के बीच का अंतर होगी। यह मार्केटिंग ईयर 2023 के लिए लगभग 21,000 करोड़ रुपये बैठती है। क्रिसिल ने अपने विश्लेषण के लिए 23 में से ऐसी 16 फसलों को शामिल किया जो 90% से ज्यादा उत्पादन के लिए जिम्मेदार हैं।

अगर सरकार मंडियों में वस्तुओं को उतारती है तो लागत ज्यादा हो सकती है। कारण है कि तब कीमतें 2022-23 में उन बाजारों में देखी गई तुलना में अधिक गिर सकती हैं, जिसके आधार पर क्रिसिल ने अपना कैलकुलेशन किया। मार्केटिंग ईयर 2023 में 16 में से आठ फसलों का कारोबार एमएसपी से ऊपर हुआ। जबकि आठ का एमएसपी से नीचे।

किसानों को मिलेगी कैश से मदद

क्रिसिल के मुताबिक, किसानों के लिए इसका मतलब ऐसे समय में कैश सपोर्ट होगा जब कीमतें एमएसपी से नीचे गिर जाएंगी। इससे उन्हें अपनी पसंद की फसलें बोने की आजादी भी मिलेगी। पुशन शर्मा ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि एमएसपी वाली 23 फसलों में से सार्थक खरीद सिर्फ धान और गेहूं में होती है। यह बताता है कि भारत में क्यों 60 फीसदी से ज्यादा खेत की फसल का उत्पादन केवल इन दो फसलों (गन्ने को छोड़कर) से होता है। कारण है कि किसानों में अन्य फसलों के लिए जोखिम उठाने की क्षमता की कमी होती है।

क्रिसिल के अनुसार, अगर खरीफ 2022 और रबी 2023 को देखें तो वर्ष के दौरान उत्पादित धान का 41% और गेहूं का 24% खरीदा गया था। इसके बाद सरसों का नंबर आता है। जहां उत्पादन का 9% खरीदा गया। पांच फसलों के लिए खरीद उत्पादन का 3% से भी कम थी। क्रिसिल के अनुसंधान निदेशक ने कहा कि ऐसी स्थिति में सभी फसलों के लिए एमएसपी की गारंटी देने से किसान धान और गेहूं के अलावा अन्य फसलों की ओर बढ़ सकते हैं। जहां सबसे अधिक खरीद होती है।

जापान, ब्रिटेन... मंदी में फंसे हैं दुनिया के ये नौ देश

नई दिल्ली। एजेंसी

जापान और ब्रिटेन की इकॉनमी में दिसंबर तिमाही में गिरावट आई है। इसके साथ ही ये दोनों देश मंदी में फंस चुके हैं। इसकी वजह यह है कि जुलाई-सितंबर तिमाही में भी इन देशों की जीडीपी में गिरावट आई थी। टेक्निकली अगर किसी देश की इकॉनमी में लगातार दो तिमाहियों में गिरावट आती है तो इसे मंदी कहते हैं। इस समय जापान और ब्रिटेन समेत दुनिया के नौ देश मंदी में फंसे हैं। इनमें डेनमार्क, एस्तोनिया, फिनलैंड, लक्जमबर्ग, मोल्दोवा, पेरू और आयरलैंड शामिल हैं। दिलचस्प बात है कि मंदी में फंसे नौ देशों में से सात यूरोप के हैं। इस लिस्ट में अफ्रीका और नॉर्थ अमेरिका का कोई देश नहीं है। एशिया से केवल एक देश जापान मंदी से जूझ रहा है जबकि दक्षिण अमेरिका का देश पेरू भी इस लिस्ट में है। मंदी में शामिल होने वाले देशों की लिस्ट में जापान और ब्रिटेन का नाम सबसे ताजा है। दिसंबर तिमाही में जापान की इकॉनमी में 0.4 फीसदी गिरावट रही। इससे पहले जुलाई से सितंबर तिमाही में देश की

जीडीपी में 3.3इ गिरावट आई थी। इसके साथ ही जापान दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं की लिस्ट में तीसरे से चौथे स्थान पर खिसक गया है। उसकी जगह यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी जर्मनी अब तीसरे नंबर पर आ गई है। ब्रिटेन के ऑफिस ऑफ नेशनल स्टैटिस्टिक्स (ONS) के मुताबिक दिसंबर तिमाही में ब्रिटेन की इकॉनमी में 0.3% गिरावट रही। इससे पहले जुलाई से सितंबर के दौरान इसमें 0.1% की गिरावट आई है। ब्रिटेन इस समय दुनिया की छठी सबसे बड़ी इकॉनमी है।

चीन-अमेरिका का भी बुरा हाल

इस तरह दुनिया में टॉप 10 में शामिल दो अर्थव्यवस्थाएं मंदी की चपेट में आ चुकी हैं। कई और देशों पर भी इसका खतरा मंडरा रहा है। इनमें जर्मनी भी शामिल है। यूरोप की यह सबसे बड़ी इकॉनमी कई मोर्चों पर संघर्ष कर रही है। देश में एनर्जी की कीमत चरम पर है और किसान आंदोलन कर रहे हैं। इसी तरह चीन के हालात भी लगातार खराब होते जा रहे हैं। देश में बेरोजगारी चरम पर है, लोग खर्च करने के बजाय बचत करने में लगे हैं, विदेशी कंपनियां और निवेशक मुंह मोड रहे हैं और अमेरिका के साथ तनाव चरम पर है। साथ ही अमेरिका पर भी कर्ज लगातार बढ़ रहा है और यह जीडीपी का 125 परसेंट पहुंच चुका है। यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी जर्मनी के लिए भी हालात ठीक नहीं हैं।

समंदर में 160 किमी दूर है भारत का यह सबसे बड़ा तेल भंडार

50 साल से निकल रहा 'काला सोना'

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

भारत के प्रमुख और सबसे बड़े तेल क्षेत्र मुंबई हाई की खोज 50 साल पहले हुई थी। इसके साथ शुरू होने वाले ज्यादातर क्षेत्रों से में उत्पादन बंद हो चुका है,लेकिन अरब सागर में स्थित मुंबई हाई के इरादे अभी भी बुलंद हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ध्ऊ) ने इस क्षेत्र की स्वर्ण जयंती मनाने के लिए मुंबई में एक समारोह का आयोजन किया। कंपनी ने कहा, "पिछले 50 वर्षों में मुंबई हाई ने 52.7 करोड़ बैरल तेल और 221 अरब घनमीटर गैस का उत्पादन किया है, जो अबतक देश के घरेलू उत्पादन का लगभग 70 प्रतिशत है।"

अरब सागर में 160 किमी दूर है यह तेल भंडार

मुंबई हाई फील्ड (पहले बॉम्बे हाई फील्ड) भारत के पश्चिमी तट से अरब सागर में लगभग 160 किलोमीटर दूर स्थित है। इसकी खोज फरवरी 1974 में रूसी और भारतीय टीम ने की थी। इस क्षेत्र में 21 मई, 1976 को उत्पादन शुरू हुआ था। शुरुआत में प्रतिदिन 3,500 बैरल तेल का उत्पादन होता था और तीन साल के भीतर यह 80,000 बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया। क्षेत्र से तेल को मुंबई की रिफाइनरियों तक ले जाने के लिए 1978 में एक उप-समुद्री पाइपलाइन बिछाई गई थी। उससे पहले तक कच्चा तेल टैंकरों में भेजा जाता था।

उत्पादन में आई गिरावट

इसके बाद 1989 में इस क्षेत्र से तेल उत्पादन बढ़कर 4,76,000 बैरल प्रतिदिन और 28 अरब घनमीटर गैस प्रतिदिन तक पहुंच गया। उसके बाद से उत्पादन में धीरे-धीरे गिरावट देखी जा रही है। इस समय मुंबई हाई से प्रति दिन लगभग 1,35,000 बैरल तेल और 13 अरब घनमीटर गैस का उत्पादन हो रहा है। तेल और गैस उत्पादन में गिरावट के कारण पुनर्विकास योजनाएं शुरू की गईं। पिछले कुछ वर्षों में मुंबई हाई के पास चार पुनर्विकास योजनाएं हैं, जिनमें अरबों डॉलर का निवेश किया गया है।

अब भी है भंडार

इस क्षेत्र में अब भी भंडार है, जिससे कुछ और वर्षों तक उत्पादन जारी रखा जा सकता है। स्वर्ण जयंती समारोह में पश्चिमी अपतटीय क्षेत्रों से जुड़े पूर्व चेयरमैन और निदेशकों को सम्मानित किया गया। इसमें पूर्व चेयरमैन आर एस शर्मा और डी के सर्राफ शामिल हैं। कंपनी ने एक बयान में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के हवाले से कहा कि मुंबई हाई का 50 साल का सफलतापूर्वक पूरा होना एक असाधारण और गौरवशाली यात्रा का प्रतीक है।

मॉरीशस-श्रीलंका के बाद अब इस पड़ोसी मुल्क में भी चलेगा भारत का यूपीआई

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (Unified Payments Interface) का लोहा पूरी दुनिया ने माना है। श्रीलंका और मॉरीशस के बाद अब नेपाल में भी आप आसानी से यूपीआई प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर पाएंगे। भारत के सेंट्रल बैंक भारतीय रिजर्व बैंक और नेपाल के नेपाल राष्ट्र बैंक ने भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस और नेपाल के नेशनल पेमेंट्स इंटरफेस (National Payments Interface) के इंटीग्रेशन के लिए समझौता किया है। यह समझौता RBI गवर्नर शक्तिकांत दास की उपस्थिति में हुआ। यह समझौता नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की अंतरराष्ट्रीय शाखा द्वारा नेपाल में UPI की तैनाती की सुविधा के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के दो साल बाद हुआ है।

आसानी से होगा पेमेंट

इस समझौते का उद्देश्य भारत और नेपाल के बीच तेजी से पेमेंट के लिए एक सिस्टम स्थापित करना है। इसके जरिए दोनों ही देशों के नागरिक यूपीआई के जरिए क्रॉस बार्डर भुगतान कर सकेंगे। RBI ने एक बयान में कहा, 'UPI-NPI लिंकेज के जरिए तेजी से भुगतान प्रणालियों को जोड़ने में भारत और नेपाल के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करेगा। UPI और NPI को जोड़ने के लिए जरूरी प्रणालियों को जल्द ही लागू किया जाएगा।

यूएई के साथ भी किया समझौता

इसके अलावा भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के तत्काल भुगतान प्लेटफॉर्म AANI के साथ UPI को जोड़ने के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इन समझौता ज्ञापनों का उद्देश्य द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करना, सीमा पार लेनदेन को बढ़ावा देना और देशों के बीच बंदरगाह के बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को बढ़ाना है।

अमीरों की पसंद बना कलर्ड डायमंड!

महंगी शादियों में पिंक, यलो, रेड और ओरेंज डायमंड जूलरी बना रही जगह

मुंबई। एजेंसी

मुंबई में एक कारोबारी NRI कपल ने अपनी बेटी की शादी में पिंक कलर के सॉलिटेयर की अंगूठी का ऑर्डर जब एक रिटेल जूलरी स्टोर को दिया, तो यह ऑर्डर उनके लिए कॉमन नहीं था। पीएनजी जूलर्स के प्रमुख सौरभ गाडगिल कहते हैं, 'दो लाख डॉलर प्रति कैरेट तक की कीमत वाले पिंक नेचरल डायमंड की अंगूठी ऑर्डर पर ही बनती है। पहले कलर्ड डायमंड की डिमांड सिर्फ यूरोप व अमेरिका में थी, लेकिन अब भारत में भी सुपर रिच लोगों में इसकी मांग देखी जा रही है। ज्यादातर आम कस्टमर ब्राउन डायमंड या लैब ग्रोन डायमंड लेता है, ऐसे में खास क्लास खुद को डायमंड जूलरी में एकदम अलग कर रही है। हॉलीवुड के फिल्मों में देखे जाने वाले ये कलर्ड डायमंड की चर्चा भारत में काफी होने लगी है।'

GJEPC के चैयरमेन विपुल शाह का कहना है कि अमीर लोग तेजी से हाई कैरेट की डायमंड जूलरी को पसंद कर रहे हैं, जिनमें फैंसी-कट डायमंड के साथ आधुनिक और बोल्ड डिजाइन शामिल हैं। हाई-नेट-वर्थ इंडिविजुअल्स (प्ब्ड) में फैंसी कलर्ड डायमंड जैसे येलो, पिंक कलर के डायमंड की दुर्लभता और उसकी बेजोड़ चमक के कारण ये विशेष रूप से दुल्हनों के बीच का आकर्षण का केंद्र हैं और चलन में हैं। प्ब्ड में विशेष रूप से शादी के रिसेप्शन और कॉकटेल कार्यक्रमों के लिए ऐसे डिजाइनर जूलरी सेट, जिसमें सफेद और फैंसी रंग के डायमंड हो, काफी ट्रेंड में हैं। पिंक रंग के डायमंड वाली ब्राइडल अंगूठियां ग्लोबल ट्रेवलर्स के बीच काफी प्रचलित हो रही हैं। अग्रणी डायमंड जूलर्स जयपुर जेम्स के प्रमुख सिद्धार्थ सचेती का कहना है कि "प्ब्ड में कलर्ड डायमंड में निवेश को लेकर जागरूकता काफी बढ़ी है, क्योंकि इसमें रिटर्न भी काफी अच्छा है। प्ब्ड वेडिंग में दुल्हनें पारंपरिक मोती चोकर की बजाय वेस्टर्न स्टाइल के कलर्ड डायमंड्स के चोकर चुन रही हैं।

बहुत ही रेयर स्टोन है

डायमंड कारोबारी गोयनका जेम्स के प्रमुख मनमोहन गोयनका ने बताया कि कलर्ड डायमंड बहुत ही रेयर स्टोन है। अमीरों के पास पहले से ही वाइट डायमंड काफी होते हैं। अगर किसी हो अपनी होल्डिंग बढ़ानी है तो नेचरल डायमंड में फैंसी कलर जैसे पिंक, डार्क पिंक, ब्लू, ऑरेंज आदि कलर आदि से बढ़ाना सही होता है।

हर कोई अफोर्ड नहीं कर सकता

डार्क रेड कलर का डायमंड भी रेयर होता है और लाखों डॉलर प्रति कैरेट वाले ये डायमंड हर कोई अफोर्ड नहीं कर सकता है। फैंसी कलर की तरह ही फैंसी शेप जैसे पेयर, गोस्वारा, ट्रेंगल, 8 कॉर्नर आदि की डिमांड काफी है। फैंसी कलर, फैंसी शेप में कस्टमर्स बड़े सेट भी रिटेलर्स से बनवा रहे हैं। गौरतलब है कि फैंसी ग्रे नेचरल डायमंड प्रति कैरेट 9,500 डालॅर, वाइट 11,500 डालॅर, येलो 15,000 डॉलर, पिंक 2 लाख डॉलर, ओरेंज 7 लाख डॉलर और पर्पल के 8 लाख डॉलर प्रति कैरेट तक रेट हैं।

हाई वैल्यू के कारण चर्चा में

हीरा करोबारी दर्शित हीरानी ने बताया कि कलर्ड डायमंड अपनी एक्सक्लूसिविटी और हाई वैल्यू के कारण ज्यादा चर्चा में है। गुजरात के एक परिवार ने पर्पल-पिंक हीरे की अंगूठी, दिल्ली के एक परिवार ने दुल्हन के गाउन से मैच करती दुर्लभ बैंगनी-ग्रे हीरे का ऑर्डर, तो साउथ की एक शादी के लिए डार्क पिंक डायमंड का हार तैयार किया गया है।

एमएसएमई एक्ट के नये प्रावधान एमएसएमई के लिए फ़ायदेमंद या नुक़सानदेह कार्यशाला संपन्न

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

टीपीए एवं इंदौर सीए शाखा द्वारा एमएसएमई रजिस्ट्रेशन से मिलने वाले फ़ायदे और इस संबंध में आयकर अधिनियम के प्रावधानों के विषय में चर्चा हेतु एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया। जिसमें सीए अभिषेक गांग ने संबोधित किया। टीपीए के प्रेसिडेंट सीए जे पी सराफ़ ने कहा कि सरकार की किसी भी योजनाओं का फ़ायदा लेने के लिए एमएसएमई में रजिस्टर्ड होना आवश्यक है। टीपीए के मानद सचिव सीए अभय शर्मा ने कहा कि सर्विस सेक्टर भी एमएसएमई की परिभाषा में आता है तथा इसकी रजिस्ट्रेशन की बड़ी सरल और पूर्णतः ऑनलाइन एवं निःशुल्क प्रोसीजर है। सीए अभिषेक गांग ने कहा कि देश की कुल जीडीपी में एमएसएमई का हिस्सा 30% है अतः एमएसएमई विभाग पर देश की बड़ी जवाबदारी है ।उन्होंने कहा कि एमएसएमई को 3 कैटेगरी में बनता बाँटा गया है :

माइक्रो: संयंत्र और मशीनरी में रु. 1 करोड़ लाख से अधिक का निवेश नहीं होना चाहिए तथा टर्नओवर 5 करोड़ से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

स्मॉल: संयंत्र और मशीनरी में रु. 10 करोड़ लाख से अधिक का निवेश नहीं होना चाहिए तथा टर्नओवर 50 करोड़ से ज़्यादा नहीं होना चाहिए।

मीडियम: संयंत्र और मशीनरी में रु. 50 करोड़ लाख से अधिक का निवेश नहीं होना चाहिए तथा टर्नओवर 250 करोड़ से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि रजिस्ट्रेशन के समय जो बैंक अकाउंट नंबर दिया जाता है उसी अकाउंट में सरकार की सारी सब्सिडी या योजनाओं का लाभ मिलेगा अतः बैंक अकाउंट नंबर वहीं मेंशन करें जिसमें व्यापारी सरकार की योजनाओं का फ़ायदा लेना हो।उद्यम पंजीकरण छोटे व्यवसायों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और सब्सिडी तक पहुंचने में मदद करता है, जो विशेष रूप से छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों के लिए डिज़ाइन की गई हैं। इसमें क्रेडिट-लिंक्ड कैपिटल सब्सिडी स्कीम, टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन फंड स्कीम, मार्केटिंग असिस्टेंस स्कीम और अन्य शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई खरीदार रजिस्टर्ड उद्यम से व्यापार करने पर उनको निर्धारित अवधि जो की अधिकतम 45 दिन है के भीतर भुगतान करने में विफल रहता है, तो वह खरीदार बकाया राशि पर आरबीआई द्वारा अधिसूचित बैंक ब्याज की दर के तीन गुना चक्रवृद्धि ब्याज का भुगतान रजिस्टर्ड उद्यमी को करने के लिए उत्तरदायी होगा। सीए अभिषेक गांग ने बताया की अब ऐसे करदाता जिनकी लेखा पुस्तकों का ऑडिट होता है या ऐसे करदाता जिनकी व्यापार से आय है एवं वे अनुमानित आधार पर आयकर नहीं

चुकाते है तो उन्हे अपने व्यापार के दौरान खरीदे गए माल या प्राप्त की गई सेवाओ का भुगतान एमएसएमई ऐक्ट के अंतर्गत दी गई समय सीमा में भुगतान करने पर ही उपरोक्त खर्चों की कटोती प्राप्त होगी। एमएसएमई एक्ट के अनुसान यदि कोई भी व्यक्ति जो ट्रेडर के अलावा एमएसएमई में माइक्रो या स्मॉल एंटरप्राइस के रूप में रजिस्टर्ड है तो ऐसे व्यापारी से सेवा प्राप्त करने पर या खरीदारी करने पर क्रेता को ऐसे व्यक्ति को यदि कोई अनुबंध नहीं है तो 15 दिन के भीतर भुगतान करने की बाध्यता है एवं यदि कोई अनुबंध है तो उस अनुबंध के अनुसार भुगतान करना होगा परंतु किसी भी दशा में यह भुगतान की समय सीमा 45 दिन से अधिक नहीं हो सकती। उदाहरण के लिए यदि किसी भी व्यापारी ने उद्यम में रजिस्टर्ड व्यापारी से 1 जनवरी 2024 को 10 लाख का माल उधर खरीद है एवं उसका भुक्तन 31 मार्च 2024 तक नहीं किया है तो एसी परिस्थिति में पूरे 10 लाख रुपए आयकर में आय मानते हुए उस पर आयकर देने के लिए दायी होंगे। यदि उपरोक्त उदाहरण में यदि व्यापारी भुगतान 15 अप्रैल 2024 को करता है तो ऐसे 10 लाख रुपए की कटौती वित्त वर्ष 2024-25 में मिल जाएगी। यह बहुत ही महत्वपूर्ण परिवर्तन है। उपरोक्त प्रावधान केवल उन्ही व्यापारियों से व्यापार करने पर लागू होगा जो की एमएसएमई एक्ट में माइक्रो एवं स्मॉल एंटरप्राइस के रूप में रजिस्टर्ड है।

उन्होंने कहा कि ऑडिटर को इसकी रिपोर्टिंग ऑडिट रिपोर्ट में देना आवश्यक है, जो कि कठिन कार्य होगा। वित्तीय वर्ष समाप्त होने को है तथा ऑडिटर को अभी से ही अपने क्लाइंट से इस संबंध में डेटा कलेक्ट करना शुरू कर देना चाहिए। संचालन टीपीए के मानद सचिव सीए अभय शर्मा ने किया । इस अवसर पर टीपीए के पूर्व अध्यक्ष सीए शैलेंद्र सिंह सोलंकी, सीए सुनील पी जैन, गोविंद गोयल, सीए अजय सामरिया सहित बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद थे।

अगर हासिल करनी है 10 फीसदी की विकास दर तो करना होगा यह काम अरविंद पनगढ़िया ने दिखाई राह

नई दिल्ली। एजेंसी

दुनिया के कई देश मंदी की चपेट में आते दिख रहे हैं, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था इन सबसे बेअसर दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही अपने तीसरे कार्यकाल में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की गारंटी दे चुके हैं। और साल 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का लक्ष्य भी सरकार ने तय कर रखा है। लेकिन इस राह में चुनौतियां भी कम नहीं हैं और विशेषज्ञ इस बात पर अक्सर प्रकाश डालते रहे हैं कि अगर भारत को 2047 तक 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है तो कई सेक्टर हैं जिनपर अभी से ही काम करने की जरूरत है।

इसी कड़ी में अब 16वें वित्त आयोग के प्रमुख व नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने कहा है कि भारत को अगर 10 फीसदी की विकास दर हासिल करनी है तो उसे निर्यात पर ध्यान केंद्रित करना होगा। पनगढ़िया ने यह भी कहा कि आयात-प्रतिस्थापन वाली औद्योगिक नीति को लेकर रुझान भारत के लिए कोई अनूठी बात नहीं है।

उन्होंने कहा, ''मैंने सिंगापुर, ताइवान, दक्षिण कोरिया, चीन और भारत जैसे कामयाब देशों को देखा है, ये भी उच्च वृद्धि वाले देशों के उदाहरण हैं। उन्होंने 'फाउंडेशन फॉर इकोनॉमिक डेवलपमेंट' के साथ बातचीत में कहा, 'मेरा निष्कर्ष बहुत स्पष्ट है - जो देश खुले हैं, वे तेजी से विकसित हुए हैं।'

पनगढ़िया ने यह भी बताया कि कैसे वैश्विक निर्यात बाजार साल 2022 में 32 ट्रिलियन डॉलर का था जो कि भारत की जीडीपी की तुलना में 10 गुना ज्यादा था।

चीन की बात करते हुए नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष ने कहा, ''चीन ने निर्यात के क्षेत्र में कुछ उत्पादों के मामले में बहुत बड़ा हिस्सा हासिल कर लिया जिससे देश को काफी बढ़ावा मिला।'' पनगढ़िया ने कहा, ''यह तीन-चार दशक तक सालाना 10 प्रतिशत की दर से बढ़ी।'' पनगढ़िया ने कहा, 'मेरा निष्कर्ष बहुत स्पष्ट है - जो देश खुले हैं, वे तेजी से विकसित हुए हैं।

News यू केन USE

Chat GPT बनाने वाली कंपनी ला रही नया AI Smartphone

एजेंसी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर लगातार काम किया जा रहा है। अब ये टेक्नोलॉजी को स्मार्टफोन में भी लाया जा रहा है। लेकिन अब इसमें भी बदलाव हो गया है क्योंकि Chat GPT बनाने वाली कंपनी अब स्मार्टफोन बाजार में एंट्री करने जा रही है। इसकी मदद से आपको नई टेक्नोलॉजी वाले स्मार्टफोन मिलने वाले हैं। Open AI की इस घोषणा के बाद फोन के इस्तेमाल करने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया जाएगा।

Samsung ने कुछ समय पहले ही AI Support वाली ए24 सीरीज को बाजार में उतारा है और इसे काफी पसंद भी किया जा रहा है। इसमें आपको Circle To Search जैसा फीचर दिया जाता है जो यूजर्स की पहली पसंद है। इसके अलावा स्मार्टफोन में लगातार बदलाव किए जा रहे हैं। टेक्नोलॉजी में नए फीचर्स को भी ऐड किया जा रहा है।

रिपोर्ट्स की मानें तो Open AI का नया स्मार्टफोन पूरी तरह AI बेस्ड होगा। यानी यूजर्स अपने हिसाब से इसमें फैसले ले सकेंगे। साथ ही इसमें मिलने वाले फीचर्स नेक्स्ट लेवल होने वाले हैं। कंपनी लंबे समय से इस पर काम कर रही है। लेकिन अब यूजर्स का इंतजार बहुत जल्द खत्म होने वाला है। Apple Watch की टीम से जुड़े टैंग टैन के जॉन इवे की कंपनी LoveFrom से जुड़ने की जानकारी मिली है। यह कंपनी एक खास प्रकार के AI पर काम कर रही है।

Air India और Vistara के विलय में देरी FDI और नियामकीय मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली। एजेंसी

सिंगापुर एयरलाइंस ने मंगलवार को कहा कि Air India और Vistara का प्रस्तावित विलय प्रगति पर है और वह प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) एवं अन्य नियामकीय मंजूरियों का इंतजार कर रही है। Vistara सिंगापुर एयरलाइंस और टाटा समूह का संयुक्त उद्यम है। Air India के साथ Vistara के विलय की घोषणा नवंबर, 2022 में की गई थी।

इस सौदे के तहत सिंगापुर एयरलाइंस को Air India में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलेगी। सिंगापुर एयरलाइंस ने दिसंबर तिमाही के अपने नतीजों की घोषणा करते हुए कहा कि इस विलय से भारत में उसकी उपस्थिति बढ़ेगी, उसकी मल्टी-हब रणनीति मजबूत होगी और उसे भारत के बड़े एवं तेजी से बढ़ते विमानन बाजार में सीधे भाग लेने की अनुमति मिल जाएगी। कंपनी ने एक बयान में कहा, 'Air India और ग्रूप का प्रस्तावित विलय प्रगति पर है। इसके लिए एफडीआई और अन्य नियामकीय अनुमोदन लंबित हैं। इसके पूरा होने पर सिंगापुर एयरलाइंस को विस्तारित Air India ग्रुप में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी मिल जाएगी।' Vistara के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विनोद कन्नन ने पिछले महीने कहा था कि यह विलय सौदा 2025 के मध्य तक पूरा होने और लेनदेन के लिए सभी कानूनी मंजूरी इस साल के मध्य तक मिलने की उम्मीद है।

भारत बनेगा सेमीकंडक्टर हब, टाटा के साथ इजरायल का भी है अहम योगदान

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रसारण राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर का कहना है कि भारत में दो पूर्ण विकसित सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने की तैयारी की जा रही है। जिनकी लागत अरबों डॉलर की होगी। भारत हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है. अब भारत सेमीकंडक्टर का हब बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। जिसके लिए कई देशों के साथ मिलकर अरबों की डील की जा रही है। भारत में निवेश के लिए कई विदेशी कंपनियां भी तैयार हैं। निवेश की बढ़ती संभावना और भारत के तेजी से हो रहे विकास के कारण कई देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत आने की तैयारी में हैं।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रसारण राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर का कहना है कि भारत में दो पूर्ण विकसित सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने की तैयारी की जा रही है। जिनकी लागत अरबों डॉलर की होगी। इसके साथ ही पैकेजिंग यूनिट्स और चिप असेंबली के लिए भी यूनिट्स लगाने की प्लानिंग है। इन

दोनों परियोजनाओं में निवेश करने के लिए भारत की एक दिग्गज कंपनी भी शामिल है।

टाटा और इजरायल मिलकर भारत को बनाएंगे सेमीकंडक्टर हब

दो सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने के लिए भारत सरकार के पास दो बड़े प्रस्ताव आये हैं। इसमें एक प्रस्ताव टाटा ग्रुप का और दूसरा इजरायल की टॉवर सेमीकंडक्टर्स का है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रसारण राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर का कहना है कि भारत में जल्द ही दो विकसित सेमीकंडक्टर फेब्रिकेशन प्लांट लगाने की तैयारी है। भारत को सेमीकंडक्टर मैन्युफेक्चरिंग में बड़ा खिलाड़ी बनाने के लिए सरकार भी बड़े कदम उठा रही है। निवेश में किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े, इसके लिए सरकार कंपनियों को सभी प्रकार की जरूरी सुविधाएं मुहैया करा रही है. इसका असर भी देखने को मिल रहा है।

मोदी सरकार देगी मंजूरी

इजराइल भी भारत में सेमीकंडक्टर का मेगा प्लांट लगाने वाला है। इसके लिए 8 अरब डॉलर का निवेश किया आएगा। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रसारण राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने यह भी बताया कि लोकसभा चुनाव से पहले यदि सारी शर्तों पर सहमति बन जाती है तो इन प्रस्तावों को मंजूरी दे दी जाएगी। यदि किन्हीं कारणों से मंजूरी नहीं मिल पाती है तब भी मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में इन प्रस्तावों को मंजूरी दे दी जाएगी।

RBI ने कहा- क्रिप्टोकरेंसी मुद्रा नहीं, बिटकॉइन जोखिम भरा

विदेशी मुद्रा भंडार 5.24 अरब डॉलर घटा

एजेंसी

आरबीआई के कार्यकारी निदेशक पी वासुदेवन का कहना है कि क्रिप्टोकरेंसी को 'मुद्रा' नहीं माना जा सकता है क्योंकि इनका कोई अंतर्निहित मूल्य नहीं होता है। आईआईएम कोझिकोड के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, इस पर फैसला आखिरकार सरकार को लेना है कि क्रिप्टो मुद्राओं से किस तरह निपटा जाए। वर्तमान में बिटकॉइन को भारत में कोई कानूनी समर्थन नहीं है। निवेशकों को इसमें कारोबार से अर्जित आय पर कर देना पड़ता है।

आरबीआई ने बिटकॉइन जैसी नए जमाने की क्रिप्टो मुद्राओं को लेकर आलोचनात्मक रुख अपनाया हुआ है। उसका कहना है कि ये मुद्राएं वित्तीय प्रणालियों के लिए प्रणालीगत जोखिम पैदा करती हैं। पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ नियामकीय कार्रवाई व प्रतिबंधों पर वासुदेवन ने कहा कि स्व-नियमन वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बेहतर सुरक्षा कर सकता है।

विदेशी मुद्रा भंडार 5.24 अरब डॉलर घटा

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 9 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 5.24 अरब डॉलर घटकर 617.23 अरब डॉलर रह गया।?2 फरवरी वाले सप्ताह में यह भंडार बढ़कर 622.5 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई?के आंकड़ों के मुताबिक, 9 फरवरी वाले सप्ताह में विदेशी मुद्रा संपत्ति 4.81 अरब डॉलर घट गई। देश का स्वर्ण भंडार 35 करोड़ डॉलर घट गया।

चीन आयातित सोलर ग्लास पर डंपिंग जांच

भारत ने चीन और वियतनाम से कुछ सौर ग्लास के आयात पर डंपिंग रोधी जांच शुरू की है। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) चीन और वियतनाम में बने 'टेक्सचर्ड टेम्पर्ड कोटेड' और 'अनकोटेड ग्लास' की कथित डंपिंग की जांच कर रहा है। घरेलू उद्योग की ओर से बोरोसिल रिन्यूएबल्स ने जांच और आयात पर उचित डंपिंग रोधी शुल्क लगाने के लिए आवेदन किया है।

254 अरब डॉलर पहुंच सकता है प्रौद्योगिकी उद्योग का राजस्व

घरेलू प्रौद्योगिकी उद्योग का राजस्व चालू वित्त वर्ष में 3.8 फीसदी बढ़कर 254 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। हार्डवेयर को छोड़ इस उद्योग का राजस्व पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 3.3 फीसदी बढ़कर 2023-24 में 199 अरब डॉलर पहुंच सकता है।?सॉफ्टवेयर उद्योग निकाय नैसकॉम ने शुक्रवार को अपनी वार्षिक समीक्षा में कहा, अकेले इंजीनियरिंग शोध एवं विकास (ईआरएंडडी) क्षेत्र की चालू वित्त वर्ष में कुल निर्यात राजस्व वृद्धि में 48 फीसदी हिस्सेदारी रहने वाली है। संगठन ने कहा, वैश्विक स्तर पर 2023 में तकनीकी खर्च में 50 फीसदी और तकनीकी अनुबंधों में छह फीसदी की गिरावट आने के बावजूद चालू वित्त वर्ष में 3.8 फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान है।

शेयर बाजार में 6 दिनों के बाद आई तगड़ी गिरावट

निवेशकों के एक झटके में रुपए 2.7 लाख करोड़ डूबे

एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार 21 फरवरी को गिरावट के साथ बंद हुए। इसके साथ ही बाजार में पिछले 6 कारोबारी दिनों से जारी तेजी का सिलसिला टूट गया। सेंसेक्स जहां 434 अंक टूट गया। वहीं निफ्टी फिसलकर 22,050 के पास आ गया। इसके चलते शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति आज दिन भर में करीब

2.69 लाख करोड़ रुपये घट गई। कारोबार के अंत में बीएसई सेंसेक्स 434.30 अंक या 0.59% की गिरावट के साथ 72,623.09 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का 50 शेयरों वाला इंडेक्स निफ्टी 141.90 अंक या 0.64% फीसदी टूटकर 22,055.05 के स्तर पर बंद हुआ।

निवेशकों के रुपए 2.69 लाख करोड़ डूबे

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन आज 21 फरवरी को घटकर 388.81 लाख करोड़ रुपये पर आ गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार 20 फरवरी को 391.50 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह ँएँ में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप आज करीब 2.69 लाख करोड़ रुपये घटा है। या दूसरे शब्दों में कहें तो निवेशकों की वेल्थ में करीब 2.69 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है।

MSME के लिए आया नया पेमेंट नियम, डर गए हैं कारोबारी?

मुंबई। एजेंसी

MSMEs के हितों की रक्षा के लिए सरकार द्वारा लाए गए नए पेमेंट नियम ने बाजार में चिंताएं बढ़ा दी हैं। स्थिति यह है कि कई छोटे कारोबारी तो खुद के MSME रजिस्ट्रेशन को ही रद्द कर रहे हैं। असेसमेंट ईयर 2024-2025 के लिए इस नए पेमेंट नियम के मुताबिक 50 करोड़ के नीचे टर्नओवर वाले MSME से खरीदारी करने वाले कस्टमर्स को डिलीवरी के 45 दिनों के भीतर MSME से खरीदे गए सामान के पेमेंट को सेटल करना होगा। इसके अलावा MSME पर पेंडिंग पेमेंट के भुगतान का निपटान 31 मार्च, 2024 तक किया जाना चाहिए। अगर खरीदार नई पेमेंट टाइमलाइन का पालन नहीं करते हैं, तो MSME को किए जाने वाले बकाया भुगतान को टैक्स योग्य इनकम माना जाएगा।

बाजार पर विपरित असर

FAM के प्रेजिडेंट जीतेंद्र शाह कहते हैं, 'सरकार द्वारा MSME को समय पर भुगतान मिल सके, इसके लिए लाए गए इस नए नियम का बाजार पर विपरित असर हुआ है कि लघु उद्योग का माल ही नहीं बिक रहा। बड़ों की मौज हो गई है, क्योंकि नए पेमेंट रूल्स में लघु उद्योग टिक ही नहीं सकेंगे। इसलिए हम लेटर बनवा रहे हैं और जो 50 करोड़ के नीचे वाले हैं और वे इस कैटिगरी में अप्रूव्ड हैं या नहीं। जिन्होंने सेल्फ डिक्लेरेशन के तहत ही खुद को MSME डिक्लेयर किया है, उन्हें अलग कर रहे हैं। कई बायर्स ने 31 मार्च, 2024 को देखते हुए माल वापस करना शुरू कर दिया है।'

नए रूल को समझने की जरूरत

हालांकि, इनकम टैक्स के जानकारों का कहा है कि MSMEs के हितों के लिए लाए गए MSME payment rule को समझने की जरूरत है, क्योंकि एक बार रजिस्ट्रेशन कैंसल करने के बाद उन्हें भविष्य में कई लाभों से वंचित होना पड़ सकता है। मेटल कारोबारी शाह ने बताया कि सरकार का इरादा MSME की रक्षा करना और समय पर भुगतान सुनिश्चित करना है, लेकिन इस नए रेग्यूलेशन ने बाजार में चिंताएं बढ़ा दी हैं और MSME को दिए गए ऑर्डर रद्द करने की नौबत आ गई है।

ना रहेगा बांस ना बजेगी बांसुरी

भारत मर्चेंट चैंबर्स के ट्रस्ट्री राजीव सिंगल का कहना कि बाजार में डर का माहौल है। श्एर्ई के नए पेमेंट नियम से बाजार टूट रहा है, ऐसे में हमें लगता है कि रजिस्ट्रेशन कैंसल करवाना ही सही है। वरना अगर MSME रजिस्ट्रेशन रहेगा, तो हमारे बायर्स ने अगर 15 से 45 दिनों के बीच पेमेंट नहीं दिया तो, वो उनके इनकम में शामिल हो जाएगा। राजीव सिंगल कहते हैं, 'हमनें हमारे हजारों ट्रेडर्स को कहा है कि अगर आपकी फर्म MSME में रजिस्टर्ड है और आप कोई भी लाभ MSME में रजिस्ट्रेशन का सरकार से नहीं ले रहे है तो आपको आपकी फर्म का MSME से रजिस्ट्रेशन रद्द कर देना चाहिए। अपने खरीदारों को इस बारे सूचित करें कि वो आपसे निश्चिंत होकर व्यापार करे, क्योंकि अब आपसे माल खरीदने पर 43B(h) उन्हें लागू नहीं होगा।'

रजिस्ट्रेशन कैंसल करवाना सही नहीं

CA मनीष गाड़िया कहते हैं, 'MSM के नए पेमेंट नियम से डरने की जरूरत नहीं और न ही रजिस्ट्रेशन कैंसल करवा कर मिलने वाले तमाम फायदों से वंचित होने की जरूरत है। श्एर्ई को समय पर पेमेंट मिले और उसकी वर्किंग कैपिटल की रिक्वायरमेंट पूरी हो सके, इसके लिए इसे कंपनी ऐक्ट में डाला गया। प्रोविजन तो पहले से है, लेकिन इसकी रिपोर्टिंग नहीं हो रही थी, इसलिए इसे इनकम टैक्स के दायरे में डाला और सीए को कहा गया कि वे इसकी ऑडिट रिपोर्टिंग करे। तब यह पता चला और अफरा-तफरी मच गई, क्योंकि पेमेंट में डिले होने पर 3 गुना इंटरेस्ट देने के अलावा इनकम में ऐड होने की बात आई तो यह बाजार के लिए बैचनी पैदा करने लगा। ऐसे में सलाह है कि डरने की जरूरत नहीं है, अगर पमेंट में डिले हुआ है तो 31 मार्च को आउटस्टेंडिंग खर्चे में क्लैम नहीं मिलेगा। जब तक पेमेंट नहीं होगा, यह इनकम में ऐड रहेगा और पेमेंट होने पर अगले साल डिडक्ट हो जाएगा।

मोदी सरकार की सख्ती के आगे झुकी चीन की कंपनियां

देसी कंपनियों के हाथ लगा जैकपॉट

नई दिल्ली। एजेंसी

चीन की कंपनियां लंबे समय से अपनी सप्लाई चेन और प्रॉडक्शन वर्क को भारतीय कंपनियों को खोलने के लिए तैयार नहीं थीं। लेकिन मोदी सरकार की सख्ती के आगे उनको झुकना पड़ा है और वे भारतीय कंपनियों को बिजनस देने के लिए सहमत हो गई हैं। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक चीनी कंपनियों ने महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं और जानकारी को चुनिंदा भारतीय कंपनियों को आउटसोर्स करने का फैसला किया है। इसे स्थानीय कंपनियों की जीत के तौर पर देखा जा रहा है, जिन्हें उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना से भी फायदा होगा। सूत्रों के मुताबिक इसका फायदा डिक्सन टेक्नोलॉजीज और कार्बन को हो सकता है। उन्हें ओप्पो और वीवो जैसी कंपनियों से नया बिजनस मिल सकता है। सूत्रों के मुताबिक डिक्सन को पहले ही ओप्पो से एक बड़ा मैन्युफैक्चरिंग ऑर्डर मिला है। इसके तहत डिक्सन को हर महीने 5 से 6 लाख स्मार्टफोन बनाने का ऑर्डर मिला है। इससे पहले भी डिक्सन को चीन की एक और कंपनी Xiaomi से स्मार्टफोन बनाने का बड़ा ऑर्डर मिला है। साथ ही शाओमी ने एक और घरेलू कंपनी Optiemus के साथ भी ऑडियो प्रॉडक्ट्स बनाने के लिए समझौता किया है। कार्बन ने UTL Neolyncs के तहत PLI का लाभ मिला था। यह कंपनी भी ऑर्डर हासिल करने के लिए बातचीत कर रही है। हालांकि कंपनी ने इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं की। सूत्रों ने कहा कि कुछ और देसी कंपनियों को भी इसमें शामिल किया जा रहा है।

क्या होगा फायदा?

वीवो और ओप्पो की भारत में अपनी मैन्युफैक्चरिंग सुविधाएं हैं। वे अपने ODM के माध्यम से भी काम आउटसोर्स करती हैं। इनमें Longcheer, Huaqin और Wingtech शामिल हैं। चीनी कंपनियों के स्मार्टफोन ईकोसिस्टम में इन ओडीएम की अहम भूमिका है और मैन्यूफैक्चरिंग बिजनस के अलॉटमेंट में उनकी काफी चलती है। ओप्पो और वीवो ने इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं की। सरकार ने ऐसे समय इस मामले में हस्तक्षेप तब किया जब उसने पाया कि चीनी कंपनियां भारतीय स्मार्टफोन बाजार में अपने दबदबे के बावजूद भारतीय कंपनियों के लिए अपनी सप्लाई चेन खोलने को तैयार नहीं हैं। भारत के स्मार्टफोन बाजार में सैमसंग और ऐपल की करीब 25 फीसदी हिस्सेदारी है। बाकी हिस्सा चीन की कंपनियों के पास है। इनमें Xiaomi, Oppo, Vivo, RealMe और OnePlus शामिल हैं।

सूत्रों का कहना है कि सैमसंग काफी समय पहले भारत में अपनी फैसिलिटीज लगा चुकी हैं। इसलिए भारतीय कंपनियों को केवल चीन की कंपनियों से ही बिजनस मिल सकता है। सरकार चाहती है कि ज्यादा से ज्यादा चीनी कंपनियां भारतीय कंपनियों को बिजनस का मौका दें। इससे उन्हें पीएलआई स्कीम का फायदा मिलेगा। ऐपल ने भी भारत में आईफोन बनाने के लिए टाटा ग्रुप के साथ हाथ मिलाया है। इसके अलावा कंपनी ताइवान की फॉक्सकॉन और पेट्रागॉन से भी आईफोन बनाती है।

यूरोप में युद्ध से यूएस की अर्थव्यवस्था को मिली रफ्तार

अमेरिका को मिल रहा सीधा फायदा

नई दिल्ली। एजेंसी

आज से करीब दो वर्ष पहले रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण किया गया था। रूस और यूक्रेन के बीच चल रही इस वॉर का सबसे ज्यादा फायदा अमेरिका को हुआ है। अमेरिकी रक्षा उद्योग (US Defense Industry) के मुनाफे में काफी उछाल आया है। दरअसल रूस द्वारा दो साल पहले यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से, अमेरिकी रक्षा उद्योग को हथियारों और युद्ध सामग्री के जमकर ऑर्डर मिले हैं। इससे यूएस डिफेंस इंडस्ट्री की खूब कमाई हुई है। यूरोपीय सहयोगी और पेंटागन इस व्यापार वृद्धि को बढ़ावा दे रहे हैं। क्योंकि वह अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करना चाहते हैं और कम होते स्टॉक को फिर से भरना चाहते हैं। जब से रूस और यूक्रेन के बीच वॉर चल रही है। इसका सीधा फायदा अमेरिका को मिल रहा है। असल में इस युद्ध की वजह से अमेरिका में यूएस डिफेंस इंडस्ट्री को हथियारों के खूब ऑर्डर मिल रहे हैं।

खूब हो रही कमाई

फेडरल रिजर्व के आंकड़ों के मुताबिक, यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद से अमेरिकी रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में औद्योगिक उत्पादन में 17.5 फीसदी का इजाफा हुआ है। बाइडेन प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि यूक्रेन के लिए 95 बिलियन डॉलर के रक्षा बिल में से 60.7 बिलियन डॉलर का 64% वास्तव में अमेरिकी रक्षा उद्योग को वापस चला जाएगा। यह फंड देशभर में रोजगार और उत्पादन के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

लड़ाई से दूर है अमेरिका

व्हाइट हाउस नेशनल इकोनॉमिक काउंसिल के निदेशक लेल ब्रेनार्ड ने देश भर में रोजगार और उत्पादन के लिए इस फंडिंग के महत्व पर जोर दिया। जबकि युद्ध में अक्सर आर्थिक लाभ होते हैं, अमेरिका सीधे लड़ाई में शामिल नहीं है। हालांकि युद्ध में अक्सर आर्थिक लाभ होते हैं। यह अमेरिका के बिना किसी वास्तविक लड़ाई के हो रहे हैं। यूरोपीय सरकारों द्वारा अमेरिकी लड़ाकू विमानों और अन्य सैन्य हार्डवेयर पर हालिया खर्च पिछले 20 वर्षों के बराबर हैं।

दिसंबर में जोड़े 15.62 लाख मेंबर, रोजगार पर क्या संकेत दे रहे हैं EPFO के ताजा आंकड़े

नई दिल्ली। एजेंसी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी EPFO ने मंगलवार को ताजा पेरोल आंकड़े जारी किए हैं। रिटायरमेंट फंड का प्रबंधन करने वाले संगठन ने बताया है कि दिसंबर 2023 में उसने शुद्ध रूप से 15.62 लाख मेंबर जोड़े। श्रम मंत्रालय के अनुसार, पिछले महीने की तुलना में दिसंबर 2023 के दौरान सदस्यों की संख्या में 11.97 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ईपीपीएओ के सब्सक्राइबर की संख्या में बढ़ोतरी कई तरह के संकेत देती है। इनसे पता चलता है कि अर्थव्यवस्था में रोजगार सृजन हो रहा है। जब ज्यादा लोग नौकरी पाते हैं तो वे ईपीएफओ में योगदान करते हैं। इससे सदस्यता संख्या बढ़ जाती है। ईपीएफओ के अस्थायी पेरोल आंकड़ों के मुताबिक, संगठन ने दिसंबर में शुद्ध रूप से 15.62 लाख मेंबर जोड़े। यह दिसंबर 2022 की तुलना में 4.62 फीसदी की बढ़ोतरी है। आंकड़ों से पता चलता है कि समीक्षाधीन महीने के दौरान करीब 8.41 लाख नए सदस्य नामांकित हुए।

महाशिवरात्रि पर्व 8 मार्च को व होलिका दहन 24 मार्च को होगा

पं. राजेश वैष्णव
शनि उपासक ज्योतिष रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
98272 88490

शिवरात्रि महापर्व 8 मार्च को महाशिवरात्रि पर्व मध्य रात्रि को 12:13 से प्रारंभ करके 1:02 तक निशीथ काल चतुर्दशी तिथि रहती है अगले दिन 9 मार्च को साइन 6:19 तक चतुर्दशी तिथि रहेगी शिवरात्रि निशीथ व्यापिनी मान्य है इस दिन भगवान शंकर की पूजा जागरण कीर्तन चार पहर तक भगवान शंकर की पूजन करना चाहिए चतुर्दशी तिथि के समय भूत प्रेत पिशाच की शक्तियां स्वयं शिवजी भी भ्रमण करते हैं अंत उस समय शिव जी की पूजा करने से मनुष्य का सभी पाप नष्ट हो जाते हैं प्रथम पहर 6:30 से प्रथम पहर प्रारंभ होगा रात्रि 9:34 से दूसरा पहर प्रारंभ होगा तीसरा पहर 12:38 से प्रारंभ होगा अपर रात्रि 3:42 से चतुर्थ पहर प्रारंभ होगा न्यू प्रातःकाल सूर्योदय तक पूजन आदि करने का समय अवधि रहेगी। पंडित राजेश वैष्णव ने बताया कि इस दिन इस बार शुक्रवार रहेगा श्रवण नक्षत्र के बाद धनिष्ठा नक्षत्र चलेगा सिद्धि योग रहेगा प्रदोष व्रत भी उसी दिन रहेगा ऐसी स्थिति में जिन व्यक्तियों की आर्थिक स्थिति खराब चल रही हो जिनकी साढ़ेसातीयान चल रही हो या राहु केतु की अंतर्दशा महादशा खराब चल रही हो ऐसे व्यक्तियों को शिवरात्रि पर काले तिल से रुद्राभिषेक करें लक्ष्मी प्राप्ति के लिए गन्ने के रस से अभिषेक करें भगवान शिव जी को बिली पत्र चढ़ावे बहुत मनोकामना पूर्ण करने के लिए चने की दाल एवं सबूत पूरे चावल चडाना चाहिए रुद्राभिषेक भी पूर्ण रूप से करना चाहिए जिससे समस्त मनोकामना पूर्ण हो ।

होली पर्व कब मनाया जाए होलिका दहन फाल्गुन शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी रविवार 24 मार्च 2024 को रात्रि 11:13 के बाद होलिका दहन भद्र समाप्ति के बाद किया जा सकेगा। पूर्णिमा सोमवार 25 मार्च 2024 को दोपहर 12:30 के बाद पूर्णिमा समाप्त हो जाएगी इस वजह से प्रतिपदा में होलिका दहन नहीं किया जा सकता 24 मार्च को ही पूर्णिमा तिथि प्रदोष व्यापिनी रहेगी भद्र समाप्ति के बाद 11:13 के बाद होलिका दहन किया जा सकेगा। देश विदेश पर इसका होलिका दहन का असर 24 फरवरी से 8 अप्रैल तक समय भारत की मुद्रा स्थिति की दर में वृद्धि होगी। यूरोपीय अफ्रीकी देशों में कई प्रकार के उतल-पुथल रहेंगे गृह युद्ध प्रत्येक देश में चलता रहेगा कई देशों की स्थिति भयानक हो जाएगी कई देशों में बाढ़ भूस्खलन आगजनी ज्वालामुखी फटना कई जगह सेवा का उपयोग कई राष्ट्रों में करना पड़ सकता है भारत के वैज्ञानिक कोई इस समय में कोई नई खोज करने में व्यस्त रहेंगे जिससे भारत का नाम ऊंचा हो विश्व में भारत की साख बढ़ेगी कहानी - कहानी हवा के साथ वर्ष कहीं ओलावृष्टि भी हो सकती है यह भारत में भी संभव है भारत के कई राज्यों में भी बारिश होने की संभावना पूर्ण रूप से बनती है ओलावृष्टि होने की योग भी बनते हैं यानखान हवाई यातायात प्रभावित प्रभावित होने की संभावना भी बनती है या किसी घटना सकती है कई राज्यों में चूहा का प्रकोप बढ़ने की उम्मीद बनती है।

इस दिन से शुरू होने जा रहा है फाल्गुन माह, जानिए क्या है इसका महत्व

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, साल का आखिरी महीना फाल्गुन का महीना होता है। इसके बाद हिंदू नववर्ष शुरू हो जाएगा। फाल्गुन का महीना भगवान शिव और भगवान श्री कृष्ण को समर्पित माना जाता है। इस महीने में महाशिवरात्रि और होली समेत कई बड़े त्योहार मनाए जाते हैं। फाल्गुन माह का अपना एक अलग महत्व होता है। आइए, जानते हैं कि फाल्गुन मास कब से शुरू हो रहा है और यह महीना क्यों खास है।

इस दिन से शुरू होगा फाल्गुन माह

फाल्गुन का महीना हर्ष और उल्लास का महीना माना जाता है। यह माह मांगलिक एवं ग्रह प्रवेश, मुंडन जैसे शुभ कार्यों के लिए अत्यंत शुभ होता है। इस बार फाल्गुन माह 25 फरवरी से शुरू होकर 25 मार्च को समाप्त होगा।

बेहद खास होता है फाल्गुन माह

फाल्गुन माह के त्योहार और व्रत सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर होते हैं। इस महीने होली का त्योहार मनाया जाता है। सभी इस त्योहार के लिए काफी उत्साहित रहते हैं। इसके साथ ही महाशिवरात्रि भी इस महीने मनाई जाती है। इस खास मौके पर भगवान शिव की पूजा की जाती है। पूरे देश में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ शिवरात्रि पर्व मनाया जाता है।

मान्यता है कि चंद्रमा का जन्म भी इसी माह में हुआ था। फाल्गुन में चंद्र देव की भी विशेष पूजा की जाती है। ऐसा करने से मानसिक तनाव दूर होता है। अगर आपकी कुंडली में चंद्र दोष है, तो इस महीने में चंद्रमा की पूजा करने से यह दूर हो सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

फाल्गुन माह में तामसिक भोजन या शराब का सेवन न करें।

फाल्गुन माह में सादे जल से स्नान करना उत्तम होता है।

फाल्गुन माह में किसी भी बुजुर्ग या महिलाओं का अपमान न करें।

फाल्गुन माह में भगवान शिव और श्रीकृष्ण सहित सभी देवी-देवताओं की जाती है।

शुभ योगों में 24 को मनाई जाएगी माघपूर्णिमा, श्रद्धालु लगाएंगे पुण्य की डुबकी

आचार्य पं. संजय वर्मा
9826380407
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तु विशेषज्ञ, इंदौर (म.प्र.)

माघ मास की पूर्णिमा 24 फरवरी को अत्यंत शुभ योगों में पड़ेगी। पूर्णिमा पर इस बार मंगल और शुक्र का समायोग होगा। दोनों ग्रह बहुत पास दिखाई देंगे। उच्च स्थान पर होंगे और शुभता लाएंगे। शुभफलदायी गजकेसरी योग भी इस दिन बन रहा है। मान्यता है कि इन शुभ योगों में जो भी कार्य किए जाते हैं उनमें सफलता प्राप्त होती है। इस शुभअवसर पर पवित्र नदियों में स्नान करने का विशेष महत्व पुराणों में बताया गया है। माघ पूर्णिमा पर कल्पवास का भी समापन होगा। इस दिन पितृ तर्पण भी किया जाएगा।

संत रविदास जयंती भी

उदया तिथि के अनुसार माघ पूर्णिमा 24 फरवरी को मनाई जाएगी। स्नान-दान का शुभ मुहूर्त सुबह 5.11 बजे से सुबह 6.02 बजे तक है। बौद्ध समाज के लोग माघ पूर्णिमा को विशेष महत्व देते हैं। इस दिन महात्मा बुद्ध ने आसन मृत्यु की घोषणा की थी। इसी दिन संत रविदास जयंती मनाई जाती है।

कल्पवास का होगा समापन

कल्पवास का समापन माघ पूर्णिमा के दिन स्नान के साथ होता है। माघ मास में कल्पवास की बड़ी महिमा बताई गई है। इस माह पवित्र नदियों के तट पर निवास को कल्पवास कहते हैं। कल्पवास का अर्थ है पवित्र नदी के तट पर निवास कर वेदों का अध्ययन और ध्यान करना है। कल्पवास धैर्य, अहिंसा और भक्ति का संकल्प होता है।

श्री कृष्ण के इस ओर राधा रानी को करें स्थापित, विवाह संबंधी समस्याएं होंगी दूर

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ इंदौर (म.प्र.)

हिंदू धर्म में लभगभ हर घर में श्री राधा रानी और श्री कृष्ण की प्रतिमा पूजा घर में होगी। यह बहुत कम ही लोग जानते हैं कि राधा रानी को पूजा घर में भगवान श्री कृष्ण के किस ओर रखना चाहिए। आपके लिए ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने बताया कि श्री राधा रानी को श्री कृष्ण के किस तरफ स्थापित करना चाहिए।

श्री कृष्ण के कौन से हाथ की तरफ करें राध रानी को स्थापित?

श्री कृष्ण की शक्ति श्री राधा रानी हैं। भगवान श्री कृष्ण को बिना राधा रानी के कभी स्थापित नहीं करना चाहिए। उसके साथ हमें इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि उनकी दिशा और स्थान क्या होगी।

श्री कृष्ण और राधा रानी में असीम प्रेम था। बहुत कम लोग यह जानते हैं कि उनके बीच विवाह भी हुआ था। यह एक गुप्त विवाह था, जो ब्रह्म देव ने कराया था। अब चूंकि वह भगवान श्री कृष्ण की पत्नी थी, इसलिए उनको उल्टे हाथ पर ही स्थापित करना चाहिए। यह स्थान पत्नी का माना गया है।

हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि श्री कृष्ण और राधा रानी का ब्रह्म विवाह नहीं हुआ था। वह लोग उनको श्री कृष्ण के सीधे हाथ पर विराजित करते हैं। शास्त्रों में इस बात का जिक्र मिलता है कि श्री राधा रानी को बाईं ओर स्थापित किया जाता है। यह अशुभ समझा जाता है कि अगर श्री राधा रानी को श्री कृष्ण के दाईं ओर स्थापित किया जाए।

विवाह संबंधी समस्याएं होंगी दूर

यह माना जाता है कि श्री राधा रानी को भगवान श्री कृष्ण के सीधी ओर स्थापित किया जाए, तो आपकी विवाह संबंधी सारी समस्याएं दूर हो जाती हैं। आपका विवाह भी आपकी पसंद के जीवनसाथी से हो जाता है।

प्याज के दाम उछलते ही एक्शन में सरकार, महंगाई पर लगा दी लगाम

नई दिल्ली। एजेंसी

प्याज से निर्यात प्रतिबंध हटाने की खबरों से प्याज के दाम 40 फीसद उछल गए। इसके बाद मोदी सरकार एक्शन में आई और उसने प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध 31 मार्च तक जारी रखने की घोषणा कर दी। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा, प्याज निर्यात पर प्रतिबंध नहीं हटाया गया है। यह जारी है। मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता घरेलू उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर प्याज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराना है।

निर्यात प्रतिबंध हटाने की खबरों से उछल गया था भाव

निर्यात प्रतिबंध हटाने की खबरों के बीच देश के सबसे बड़े थोक प्याज बाजार लासलगांव में 19 फरवरी को थोक प्याज की कीमतें 40.62 प्रतिशत बढ़कर 1,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गईं, जो 17 फरवरी को 1,280 रुपये प्रति क्विंटल थीं।

खुदरा बाजारों पर क्या पड़ा प्रभाव

उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट पर दिए गए आंकड़ों के मुताबिक 19 फरवरी को खुदरा बाजारों में प्याज का औसत मूल्य 32.26 रुपये प्रति किलो था, जबकि 20 फरवरी को 32.43 रुपये। 19 के मुकाबले 20 फरवरी को छत्तीसगढ़ में प्याज 11.46 फीसद महंगा बिका। इसके अलावा पिछले दो दिन में गोवा, कर्नाटक, उत्तराखंड, तेलंगना, नागालैंड, मिजोरम, और यूपी में ही प्याज के खुदरा रेट में मामूली इजाफा हुआ। बाकी राज्यों में प्याज सस्ता ही हुआ है।

आम चुनाव से पहले भी प्रतिबंध हटाए जाने की संभावना नहीं

सूत्रों ने बताया कि 31 मार्च के बाद आम चुनाव से पहले भी प्रतिबंध हटाए जाने की संभावना नहीं है, क्योंकि रबी (सर्दियों) प्याज का उत्पादन विशेष रूप से महाराष्ट्र में कम 'कवरेज' के कारण कम होने की आशंका है। वर्ष 2023 के रबी सीजन में प्याज का उत्पादन 2.27 करोड़ टन होने का अनुमान लगाया गया है। कृषि मंत्रालय के अधिकारी आने वाले दिनों में प्रमुख उत्पादक राज्यों महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में रबी प्याज 'कवरेज' का आकलन करेंगे। इस बीच, अंतर-मंत्रालयी समूह से मंजूरी के बाद मित्र देशों को उनके साथ रिश्तों तथा अन्य स्थिति को देखते हुए प्याज के निर्यात की अनुमति दी गई है।

दालों पर एक्शन में सरकार, नहीं गलेगी महंगाई की दाल

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने इस मुद्दे पर सभी स्टेक होल्डर्स के साथ बैठक की है। सरकार ने बैठक में दाल के स्टॉक की जानकारी मांगी है। इसमें दाल की बढ़ती कीमतें काबू में करने पर भी चर्चा हुई है। दालों पर सरकार एक्शन मोड में आ गई है। व्यापारियों को होर्डिंग से दूर रहने की सलाह दी गई है। कम कीमत पर इंपोर्ट की कोशिशें जारी हैं। कारोबारियों का कहना है कि इथोपिया और ब्राजील तुअर उत्पादन में दिलचस्पी ले रहे हैं। नाइजीरिया समेत कई और देश भी रुचि दिखा रहे हैं। सरकार से इन देशों को सपोर्ट करने की अपील की है। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक दालों के बढ़ते भाव पर अंकुश लगाने के लिए सरकार तुअर इंपोर्ट पर प्राइस कैप लगा सकती है। तुअर इंपोर्ट पर 1000 डॉलर का प्राइस कैप लगाया जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि सरकार कम कीमत पर तुअर इंपोर्ट करना चाहती है। सरकार को विदेशी एक्सपोर्टर्स पर होर्डिंग का शक है। सूत्रों के मुताबिक प्राइस कैप लगने से तुअर के दाम घटने की उम्मीद है। गौरतलब है कि देश में सबसे ज्यादा अरहर का उत्पादन महाराष्ट्र में होता है। इसके अलावा मध्य प्रदेश, कर्नाटक में भी इसकी खेती होती है। दिसंबर और जनवरी में अरहर की नई फसल बाजार में आ जाती है। देश में हर साल करीब 35 से 38 लाख टन अरहर की पैदावार होती है। लेकिन पिछले साल इसमें गिरावट रही और करीब 22 लाख टन ही हुआ था। जिसकी वजह से अरहर दाल के दाम काफी बढ़ गए।

अब 'देसी' है दुनिया की सबसे अच्छी व्हिस्की! कितनी कीमत, कौन बनाता है

नई दिल्ली। एजेंसी

दुनिया की सबसे अच्छी व्हिस्की कौन सी है? ये कहां बनती है? आपका ध्यान शायद तुरंत स्कॉटलैंड, आयरलैंड, अमेरिका या जापान की तरफ चला जाए। इसके उलट सच यह है कि इसे बनाने वाला कोई और नहीं, बल्कि देसी कंपनी है। हाउस ऑफ पिकैडली डिस्टिलरीज के घरेलू सिंगल माल्ट ब्रांड ने दुनिया की सबसे अच्छी व्हिस्की में अपना स्थान बनाया है। इसका नाम 'इंद्री-ट्रिनी' है। इसने जाने-माने अमेरिकी एल्को-बेव प्लेटफॉर्म वाइनपेयर से बेस्ट 'न्यू वर्ल्ड' व्हिस्की का खिताब जीता है। इसके पहले अक्टूबर 2023 में इंद्री-ट्रिनी को व्हिस्कीज ऑफ द वर्ल्ड ने दुनिया का बेस्ट व्हिस्की ब्रांड नामित किया था।

कहां तैयार होती है यह व्हिस्की ?

पिकाडिली एग्रो इंडस्ट्रीज इंद्री-ट्रिनी व्हिस्की बनाती है। यह व्हिस्की हरियाणा के इंद्री नाम के एक छोटे से गांव में बनी डिस्टिलरी में तैयार होती है। कंपनी ने कहा, 'इंद्री दुनिया की सर्वश्रेष्ठ व्हिस्की में से एक है। उसे बेस्ट 'न्यू वर्ल्ड' व्हिस्की का खिताब मिलना यह जाहिर करता है। इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान बनाने वाली इंद्री एकमात्र भारतीय ब्रांड है। यह दिखाता है कि हम सिर्फ व्हिस्की नहीं बना रहे हैं। अलबत्ता, इतिहास रच रहे हैं। यह ग्लोबल व्हिस्की के क्षेत्र में ऐतिहासिक मील का पत्थर है।'

इसके पहले इंद्री दिवाली कलेक्टर्स एडिशन को प्रतिष्ठित व्हिस्की ऑफ द वर्ल्ड अवार्ड्स 2023 में 'बेस्ट इन शो, डबल गोल्ड' पुरस्कार से नवाजा गया था। 2021 में लॉन्च होने के बाद से इंद्री-ट्रिनी ने 14 से ज्यादा इंटरनेशनल अवार्ड जीते हैं।

कितनी है इंद्री व्हिस्की की कीमत?

इंद्री व्हिस्की की कीमत राज्य के आधार पर 3,000-5,400 रुपये है। दिल्ली, मुंबई और हरियाणा (गुरुग्राम) में से यह हरियाणा में सबसे सस्ती मिलती है। दिल्ली में इसकी कीमत 3,700 रुपये है। हरियाणा में यह 3,000 रुपये में मिलती है। वहीं, मुंबई में इसका दाम 5,400 रुपये है।

ताजा उपलब्धि पर पिकैडली डिस्टिलरीज के संस्थापक सिद्धार्थ शर्मा ने कहा, 'भारतीय व्हिस्की इंडस्ट्री शानदार ढंग से से उभर रही है। इस बदलाव की अगुआई करने पर इंद्री को गर्व है। दुनियाभर के कंज्यूमर्स के बीच इंद्री की पसंद बढ़ रही है। इंद्री-ट्रिनी भारत में 19 राज्यों और 18 विदेशी देशों में उपलब्ध है।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं!

30 मिनट के अंदर पैसेंजर्स को मिले लगेज, एयरलाइंस को सख्त निर्देश

नई दिल्ली। एजेंसी

ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (BCAS) ने फ्लाइट लैंड करने के बाद यात्रियों को उनके चेक-इन लगेज मिलने में होने वाली देरी पर संज्ञान लिया है। इसने सात भारतीय एयरलाइंस को निर्देश दिए हैं कि 10 से 30 मिनट के अंदर यात्रियों को उनके रजिस्टर्ड लगेज मिल जाने चाहिए। इसके लिए 10 दिनों का समय देते हुए बीसीएएस ने 26 फरवरी तक इन निर्देशों का पालन करने के आदेश दिए हैं। इसके बाद भी अगर एयरलाइंस नहीं सुधरी तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बीसीएएस ने बताया कि जिन सात एयरलाइंस को इस बारे में निर्देश जारी करते हुए लेटर लिखे गए हैं, इनमें एयर इंडिया, इंडिगो, अकासा, स्पाइसजेट, विस्तारा, एयर इंडिया एक्सप्रेस कनेक्ट और एयर इंडिया एक्सप्रेस शामिल हैं। अधिकारियों ने ऑपरेशन, मैनेजमेंट

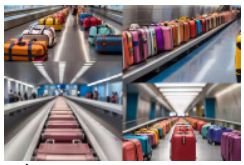

और डिलिवरी अग्रीमेंट (OMDA) नियमों का हवाला देते हुए कहा है कि यह सर्विस क्वॉलिटी अग्रीमेंट के तहत भी जरूरी है कि फ्लाइट के चेक-इन लगेज को फ्लाइट के लैंड करने के बाद जब इंजन बंद होता है। तब से 10 मिनट से 30 मिनट के अंदर वह लगेज यात्रियों को मिल जाना चाहिए। लेकिन पिछले कुछ समय से इसमें एयरलाइंस लापरवाही बरत रही थी।

क्यों जारी हुए दिशा-निर्देश?

इसी लापरवाही को सुधारने के लिए यह दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। इस मामले में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में बीसीएएस ने इस साल के जनवरी से ही छह बड़े हवाई अड्डों पर बैगेज सिस्टम की निगरानी शुरू की थी। इसमें साप्ताहिक स्तर पर इसका रिव्यू भी किया जा रहा है। इसमें पता लग रहा है कि बैगेज सिस्टम की डिलीवरी में पहले से कुछ सुधार तो हुआ है, लेकिन अभी इसमें और अधिक सुधार की जरूरत है। जिससे की यात्रियों को उनकी फ्लाइट के लैंड होने के बाद आधा घंटे के अंदर उनका चेक-इन लगेज उन्हें मिल सके।

एक ही जगह पर मिलेगी पॉलिसी बेचने और खरीदने की सुविधा

इंश्योरेंस सेक्टर में हो रहा ये बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने एक ही जगह पर एक ही जगह पर ऑनलाइन सभी इंश्योरेंस पॉलिसियों को मुहैया कराने की तैयारी कर ली है। इंश्योरेंस रेगुलेटर भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने इलेक्ट्रॉनिक मार्केटप्लेस 'बीमा सुगम' या डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर एक एक्सपोजर ड्राफ्ट जारी कर दिया है। इसे एक वन-स्टॉप सॉल्यूशन या प्रोटोकॉल के रूप में माना जा सकता है जिस पर इंश्योरेंस पॉलिसी की खरीद, बिक्री, सर्विसिंग और क्लेम सेटलमेंट से लेकर शिकायतों तक का निपटारा किया जा सकता है। इसके जल्द लॉन्च होने की उम्मीद बढ़ गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह इस साल जून में लॉन्च हो सकती है। इससे पहले बीमा नियामक ने इसे जनवरी 2023 में लॉन्च करने का प्लान बनाया था। मौजूदा समय में लोगों को हेल्थ, लाइफ, प्रॉपर्टी और एक्सीडेंट रिस्क को कवर करने के लिए अलग-अलग इंश्योरेंस पॉलिसी लेनी पड़ती है। मगर इंश्योरेंस सेक्टर का रेगुलेटर इरडा एक ऐसी सिंगल पॉलिसी लाने पर काम कर रहा है, जो हेल्थ, लाइफ और प्रॉपर्टी के इंश्योरेंस को कवर करेगी।

बीमा सुगम क्या है

बीमा सुगह एक इलेक्ट्रॉनिक इंश्योरेंस मार्केटप्लेस है। बीमा कंपनियां, पॉलिसीहोल्डर्स और इंटरमीडियरी इस प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर सकेंगे। एक ही जगह पर इंश्योरेंस इंडस्ट्री के सभी पक्षों की मौजूदगी से सभी को फायदा होगा। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बीमा सुगम से आने वाले दिनों में इंश्योरेंस इंडस्ट्री में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे। पेमेंट के मामले में जिस तरह से यूपीआई में बदलाव आया है, उसी तरह से बीमा सुगम से इंश्योरेंस सेक्टर में बदलाव आएगा। इससे बीमा कंपनियों की लागत घटेगी और प्रोडक्ट्स सस्ते होने की उम्मीद है। इस ऑनलाइन प्लेटफार्म पर लाइफ इंश्योरेंस, हेल्थ इंश्योरेंस और जनरल इंश्योरेंस सहित हर तरह के बीमा उत्पाद उपलब्ध होंगे।

ये है तैयारी

इरडा की योजना है कि आम लोगों को अलग-अलग सेक्टर की इंश्योरेंस पॉलिसी के लिए भटकना ना पड़े। एक ही बार में एक ही कंपनी के पास जाकर वह एक ऐसी पॉलिसी लें, जिनमें हेल्थ, लाइफ और प्रॉपर्टी समेत सभी सेक्टर के रिस्क कवर हो जाए। एक ही जगह पॉलिसीधारक को प्रीमियम देना पड़े। पॉलिसी के क्लेम का जल्द निपटान हो, इसके लिए पर्याप्त प्रावधान किए जाएंगे। बीमा सुगम डिजिटल प्लैटफॉर्म से डिजिटल डेथ रजिस्ट्री को जोड़ा जाएगा। अगर किसी पॉलिसी धारक की मौत हो जाती है तो इसकी सूचना इस प्लैटफॉर्म पर मिल जाएगी। इससे दावों का निपटान करने में आसानी होगी।

एमएसएमई के लिए 45 दिन में भुगतान नियम पर परिचर्चा

एमएसएमई लायसेंस रद्द करवाने लगे उद्योगपति, बडे खरीदारों ने बनाई दूरी

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

एमएसएमई के लिए के तहत भुगतान संशोधन में 45 दिन का भुगतान नियम धारा-43बी(एच) के तहत किया गया है। इस विषय पर इंडियन प्लास्ट पैक फोरम ने सेमीनार का आयोजन किया। आयोजन के मुख्य वक्ता सीए पंकज शाह थे। शानिवार शाम होटल साउथ ऐवेन्यू में आयोजित इस सेमिनार में बडी संख्या में उद्योगपति और संस्था सदस्य उपस्थित थे।

इंडियन प्लास्ट पैक फोरम ने इंदौर में 45 दिनों में सूक्ष्म और लघु प्रतिष्ठानो को भुगतान सम्बंधित आयकर नियमो पर सेमिनार आयोजित किया जिसमे सीए पंकज शाह ने प्रावधानों पर प्रकाश डाला। फोरम के अध्यक्ष सचिन बंसल ने बताया कि हमारे देश में एमएसएमई का अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान है क्यूंकि लगभग 12 करोड़ लोगो को इससे रोज़गार मिलता है और अर्थव्यवस्था में 30 प्रतिशत जीडीपी इस वर्ग का योगदान है. आयकर विभाग द्वारा इस वर्ष से लागु नियम जिसके तहत 45 दिनों के बाद पेमेंट होने पर खर्च को अमान्य करने से एमएसएमई को फायदे के बजाय नुकसान ज्यादा दिख रहा है।

सीए पंकज शाह ने बताया कि माइक्रो और स्माल एंटरप्राइज से माल खरीदने पर उन्हें अधिकतम 45 दिन में पेमेंट करना है। 45 दिनों की ड्यू डेट के ख़त्म होने पर 31 मार्च 2024 को जिन भी सूक्ष्म और लघु सप्लायर से खरीद के पैसे देन बकाया है उस खरीद की छूट नहीं मिलेगी जिससे उस खरीद की राशि पर अतिरिक्त कर देना होगा।

उन्होंने यह भी बताया कि यह प्रावधान केवल उन व्यापारियों पर लागु होंगे जी मैन्युफैक्चरिंग या सर्विस प्रोविडर हैं और ट्रेडर्स पर यह प्रावधान लागु नहीं होता हैं। इस कानून के अंतर्गत अगर देय डेट के पश्चात अगर पेमेंट किया गया हैं तो बैंक रेट का तीन गुना ब्याज भी देना होगा। साथ ही इस तीन गुना ब्याज की भी आयकर में छूट नहीं मिलेगी। कई व्यापार में क्रेडिट पीरियड 60 से 90 दिन होता है क्यूंकि खरीददार को आगे से पेमेंट लेट आता है। ऐसे में पेमेंट मिले बिना आगे खरीददार को पेमेंट करने के लिए अतिरिक्त वोर्किंग कैपिटल की आवश्यकता होगी। इससे प्रॉफिट मार्जिन पर भी असर पड़ेगा। सीए शाह ने बताया कि इन प्रावधानों के कारण कई व्यापारी अपना एमएसएमई रजिस्ट्रेशन कैंसिल कर रहें है क्यूंकि बड़े खरीददार इस प्रावधान के कारण एमएसएमई से माल खरीदने परहेज कर रहें है। इस प्रावधान के अनुसार हर व्यापारी चाहे वो स्वयं एएई हो या नहीं पर अगर वो सूक्ष्म और लघु यूनिट से माल खरीद रहा है तो उसके खर्चा अमान्य होगा। अगर व्यापारीयो ने पूर्व में उद्योग आधार लेकर एएई का रजिस्ट्रेशन करवाया था पर उसे जून के बाद उद्यम रजिस्ट्रेशन में अपडेट नहीं किया है तो वह एएई नहीं माना जाएगा और उसे लेट पेमेंट मिलने पर यह प्रावधान का लाभ नहीं मिलेगा। संस्था के सचिव श्री अंकित भरुका ने बताया कि हमने सरकार को सुझाव भेजे है कि इस प्रावधान को एक वर्ष के लिए लंबित कर दिया जाए क्यूंकि इससे व्यापार पर प्रतिकूल असर हो रहा है। अगर इसे लागु किया जाए तो इतना संशोधन करें कि अगर किसी व्यापारी ने रिटर्न फाइल करने की तारिख तक भुगतान कर दिया तो खर्च अमान्य नहीं हो। करदाता के लिए फैसिलिटी दी जाए जिससे वह उएऊ डिटेल से चेक कर सके कि व्यापारी एएई में रजिस्टर्ड है या नहीं। कार्यक्रम में श्री प्रवीण अग्रवाल, श्री हितेश मेहता,श्री अनिल चौधरी, जाहित शाह सहित बडी संख्या में उद्योगपति मौजूद थे।

हीरो मोटोकॉर्प ने मैवरिक 440 की कीमत की घोषणा की

देशभर में ग्राहकों के लिए बुकिंग्स शुरू कीं

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

उच्च प्रीमियम सेगमेंट में नए युग की शुरुआत करते हुए, दुनिया की सबसे बड़ी स्कूटर और मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी हीरो मोटोकॉर्प अपनी प्रमुख मोटरसाइकिल - मैवरिक 440 के लिए आज से यानी 14 फरवरी 2024 से बुकिंग्स शुरू करेगी। ग्राहक अपनी मोटरसाइकिल की बुकिंग निर्धारित हीरो मोटोकॉर्प कस्टमर आउटलेट पर जाकर करा सकते हैं। या फिर www.heromotocorp.com पर डिजिटली भी मोटरसाइकिल की बुकिंग की जा सकती है। मोटरसाइकिल की डिलीवरी अप्रैल से शुरू होगी। साल की सबसे बहु-प्रतीक्षित मोटरसाइकिल देश भर में हीरो मोटोकॉर्प डीलरशिप पर तीन वैरिएंट्स - बेस (199,000 रुपये), मिड (214,000) और टॉप (224,000 रुपये) में आकर्षक कीमत पर उपलब्ध होगी। ङकीमतें पूरे भारत में एक्स-शोरूम हैं। हीरो मोटोकॉर्प 'वेलकम टू मैवरिक क्लब ऑफर' भी लॉन्च कर रही है जो 15 मार्च से पहले मैवरिक 440 की बुकिंग करने वाले ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगा और उन्हें 10,000 रुपये मूल्य की एक्सेसरीज और मर्चेंडाइज की विशेष किट मिलेगी।

मैवरिक 440 मिडल वेट मोटरसाइकिल सेगमेंट में हीरो मोटोकॉर्प की महत्वपूर्ण शुरुआत को दर्शाती है, जो इनोवेशन और उत्कृष्टता के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को सामने लाता है। 23 जनवरी को जयपुर में हीरो वर्ल्ड 2024 में लॉन्च की गई यह डायनैमिक मोटरसाइकिल शानदार परफॉर्मेंस, स्टाइल और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ आती है। हीरो मोटोकॉर्प के चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफीसर (सीईओ) निरंजन गुप्ता ने कहा, 'हमारी प्रीमियम यात्रा उन ग्राहकों के लिए बुकिंग के साथ पूरी तरह से जारी है, जो मैवरिक 440 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हार्ले-डेविडसन ॅ440, करिज्मा एक्सएमआर की तरह मैवरिक 440 एक मस्क्युलर और यूथफुल मॉडर्न रोडस्टर का एक अनूठा संगम है, जो अब प्रीमियम सेगमेंट में हमारी इस यात्रा की गति को आगे बढ़ाएगा।

सैमसंग ने गैलेक्सी बुक4 सीरीज के प्री-बुक की घोषणा की

भारत में गैलेक्सी इकोसिस्टम के अनुभव को बेहतर बनाया

गुरुग्राम। आईपीटी नेटवर्क

भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज से गैलेक्सी बुक4 सीरीज के लिए प्री-बुकिंग शुरू कर दी है। यह गैलेक्सी बुक4 प्रो 360, गैलेक्सी बुक4 प्रो और गैलेक्सी बुक4 360 के साथ सैमसंग का पीसी का सबसे इंटेलीजेंट लाइन अप है। गैलेक्सी बुक4 सीरीज नए इंटेलिजेंट प्रोसेसर, अधिक बेहतर और इंटरैक्टिव डिस्प्ले और बेहद मजबूत सिक्योरिटी सिस्टम के साथ आती है। यह एआई पीसी के एक नए युग की शुरुआत है, जो शानदार प्रॉडक्टिविटी, मोबिलिटी और कनेक्टिविटी की पेशकश करता है। ये नए उन्नत फीचर्स न केवल डिवाइस को बेहतर बनाते हैं बल्कि पूरे सैमसंग गैलेक्सी इकोसिस्टम को नई ऊंचाई पर लेकर जाते हैं। यह फीचर्स पीसी कैटेगरी को एडवांस बनाकर सैमसंग के वर्तमान और भविष्य के एआई इनोवेशन के नजरिए को गति देते हैं।

अगले स्तर की कनेक्टिविटी, मोबिलिटी और उत्पादकता को सामने लाते हुए, गैलेक्सी बुक4 सीरीज यूजर्स के पीसी, स्मार्टफोन, टैबलेट और अन्य डिवाइस के साथ के इंटरैक्शन को नए सिरे से परिभाषित करती है और वास्तव में कनेक्टेड और इंटेलिजेंट अनुभव प्रदान करती है। यह ऑप्टिमाइज्ड और टच-आधारित यूजर इंटरफेस के साथ पूरी तरह से इंटरैक्टिव है, जो बिल्कुल आपके स्मार्टफोन या टैबलेट के अनुभव की तरह है।

शक्तिशाली परफॉर्मेंस के लिए इंटेलिजेंट प्रोसेसर की सुविधा के साथ, गैलेक्सी बुक4 सीरीज में नया इंटेलरु कोररू अल्ट्रा 7/ अल्ट्रा5 प्रोसेसर है, जो एक तेज़ सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (सीपीयू), हाई परफॉर्मेंस ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) और एक नया जोड़ा गया न्यूरल प्रॉसेसिंग यूनिट (एनपीयू) है।

एआई क्षमताओं को अगले स्तर पर ले जाते हुए, गैलेक्सी बुक4 सीरीज में उत्पादकता बढ़ाने के लिए इंटेल का पहला एआई पीसी एक्सेलेरेशन प्रोग्राम पेश किया गया है।

गैलेक्सी बुक4 सीरीज अपने डायनैमिक एमोलेड 2ॅ डिस्प्ले के साथ एक शानदार और इंटरैक्टिव डिस्प्ले प्रदान करती है, जो घर के अंदर हो या बाहर, स्पष्ट कंट्रास्ट और बेहतर कलर देता है। इसका विजन बूस्टर इंटेलिजेंट आउटडोर अल्गोरिद्म का इस्तेमाल करते हुए चमकीली स्थिति में ऑटोमैटिक तरीके से विजिबिलिटी और कलर रिप्रॉडक्शन को बढ़ाता है, वहीं एंटी रिफ्लेक्टिव टेक्नोलॉजी ध्यान भटकाने वाले रिफ्लेक्शंस को कम करती है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुन: प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।